सामान्य अध्ययन (टेस्ट - XVIII)

GENERAL STUDIES (Test - XVIII)

मॉड्यूल - XVIII / Module - XVIII

DTVF/18(JS)–M–**GS18**

निर्धारित समय: तीन घंटे ***Time allowed: Three Hours***	*अधिकतम अंक: 250* ***Maximum Marks: 250***

नाम (Name): Anoop Meena

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.): _____

ई-मेल पता (E-mail address): _____

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 18 | July 30, 2018

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

0	8	3	4	4	6

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिंदी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Anoop Meena

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

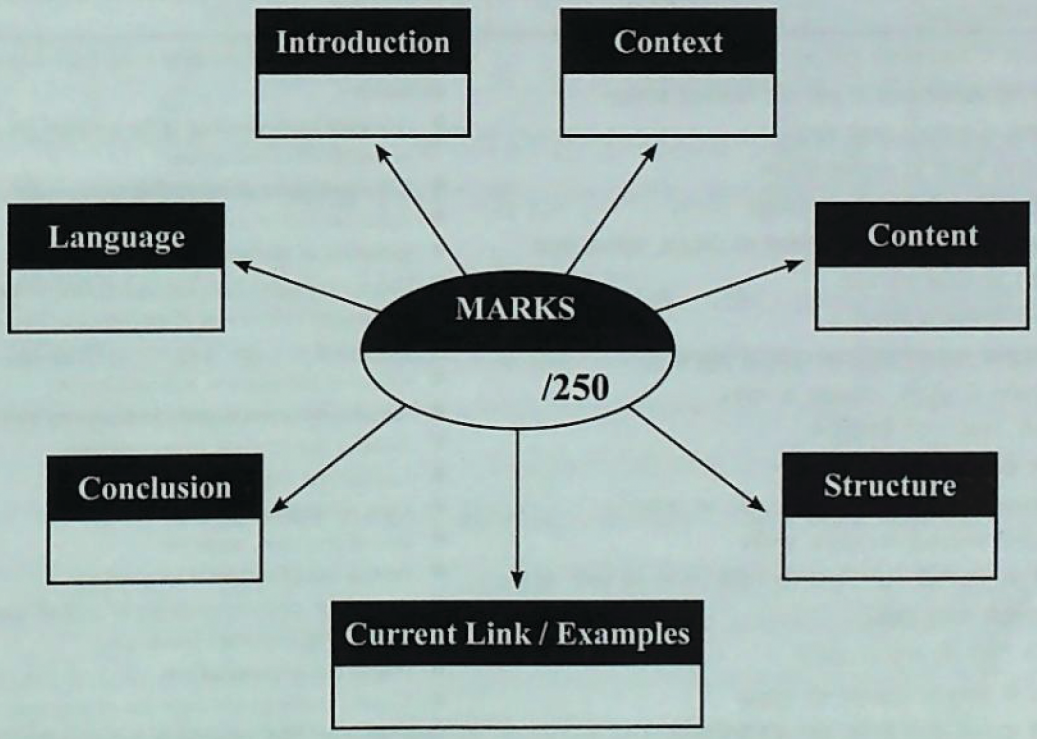

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

1. "भारत में बाढ़ की आवृत्ति, तीव्रता एवं विस्तार तथा उसके द्वारा होने वाली क्षति की मात्रा में वृद्धि होती जा रही है।" बाढ़ के प्रभावों के संदर्भ में इस कथन का विश्लेषण करें और इससे निपटने के लिये किये गए प्रयासों की चर्चा कीजिये। (200 शब्द) 12.5

"The incidence, magnitude and expanse of flood in India and damages caused by them are on rise." Analyse the statement with respect to impacts of floods and discuss the steps taken to deal with them. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।

(Please don't wr anything in this

जब नदियों के जलमार्ग में इनकी वहनक्षमता से अधिक जल का आगमन होता है तो जल नदियों की परिधियों को तोड़कर समीपवर्ती क्षेत्र में विसरित हो जाता है यह बाढ़ कहलाती है

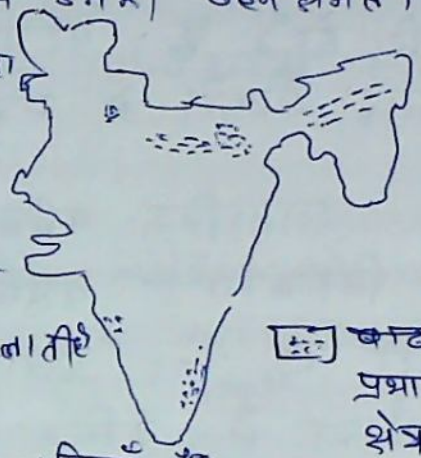

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र (जमीन!)

भारत की प्रमुख नदियाँ जैसे ब्रह्मपुत्र के कारण उत्तर पूर्वी भारत, गंगा व उसकी सहायक नदियों के कारण उत्तर-प्रदेश, बिहार, यमुना के कारण दिल्ली में बाढ़ आती है वहीं अनियोजित रूप से शहरीकरण के कारण मुम्बई, चेन्नई व दिल्ली इससे प्रभावित है वही राजस्थान व गुजरात में फ्लश बाढ़ मौसमी वर्षा में परिवर्तनशीलता के कारण आती है

नदियों के प्रवाह क्षेत्र के अतिक्रमण, जलवायु परिवर्तन, ~~बन्ते~~ अनियोजित रूप से बढ़ते शहरों के कारण इनकी तीव्रता बढ़ रही है जैसे 2013 में जलवायुविक रूप से वर्षा की

Copyright – Drishti The Vision Foundation

या इस स्थान में प्रश्न
या के अतिरिक्त कुछ
लखें।
ase do not write
thing except the
stion number in
space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

परिवर्तित के कारण राजस्थान में बाढ़ आती।

बाढ़ के प्रभाव बहुआयामी होते हैं—

पर्यावरणीय आयाम के रूप में मृदा का क्षरण व अपरदन, वनों का उजड़ना, भूस्खलन आदि होते हैं। परंतु बाढ़ का पानी जैसे कृषक मैदानों में नवोढ़ मृदा बिछायी जाती है

सामाजिक परिणामों के रूप में लोगों का विस्थापन प्रमुखतया से होता है जिससे शहरों की ओर प्रवास बढ़ता है लोग मूलभूत सुविधाओं से वंचित हो जाते हैं गरीबी व सामाजिक तनाव-संघर्ष का खतरा बढ़ता है

आर्थिक परिणामों के रूप में बाढ़ के कारण मृदा क्षरण से मृदा की उत्पादकता कम होती है जिससे कृषि उत्पादन व घरेलू खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ पशुधन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है प्रमुख संचार तंत्र व, परिवहन व्यवस्था ठप हो जाती है। इससे जलजनित रोग जैसे मलेरिया आदि भी उत्पन्न होते हैं

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सर्वप्रथम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का मानचित्रण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

किया है तथा वहाँ राष्ट्रीय आपदा अनुक्रिया बल की उपस्थिति को दर्ज कराया है

साथ ही बाढ़ की पूर्व चेतावनी हेतु DIANSAT नामक उपग्रह भी स्थापित किया गया है जिसे बाढ़ के मौसमी चरण (पुनर्वास) के साथ-2 पूर्वचेतावनी में भी प्रयोग किया जा सकेगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना में भी प्रशिक्षण, जागरूकता के प्रावधान किये गए हैं। जैसे- लोगों को नदियों के तटबंधों से दूर बसने के निर्देश देना

समग्रतः जनजागरूकता व कार्यक्रमों के उचित क्रियान्वयन के द्वारा बाढ़ का समुचित निस्तारण किया जा सकता है

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't wr anything in this

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

या इस स्थान में प्रश्न
या के अतिरिक्त कुछ
लिखें।
ease do not write
thing except the
estion number in
space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

2. आपदा की समस्या उच्च जन्म दर, भूमि एवं आर्थिक अवसरों की कमी तथा संसाधनों के त्रुटिपूर्ण आवंटन के कारण उत्पन्न होती है। विश्लेषण कीजिये। (200 शब्द) 12.5

The problem of disaster arises due to high birth rate, scarcity of land and economic opportunities and flawed allocation of resources. Analyse. (200 words) 12.5

सामान्य रूप से संकट आते रहते हैं परंतु जब संकट हानि में परिवर्तित हो जाता है तो वह आपदा बन जाती है।

आपदा अनेक प्राकृतिक व मानवजनित कारणों से उत्पन्न होती है जैसे- प्राकृतिक कारणों में बाढ़, भूकंप, चक्रवात आदि हैं तो मानवजनित कारणों में अतिजनसंख्या, भू-उपयोग परिवर्तन, जोखिमग्रस्त का रहने आदि।

उच्च जन्म दर के कारण संबंधित क्षेत्र में संसाधनों ~~की~~ पोषण क्षमता/वहन क्षमता से अधिक जनसंख्या उपलब्ध हो जाती है इससे संसाधनों पर दबाव पड़ता है अंततः संसाधनों के आवंटन को लेकर सामाजिक व राजनीतिक तनाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

इससे जनसंख्या अपने मूल क्षेत्र से अधिक संसाधन/कम जनसंख्या वाले क्षेत्रों की ओर प्रवास करती है। इससे भी तनाव उत्पन्न होता है। जैसे शहरी क्षेत्रों में अधिक प्रवास के कारण झुग्गी बस्तियों का विकास होता है जहाँ आगे जैसे आपदा घटित हो सकती है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't wr anything in this

बढ़ती जनसंख्या के कारण भूमि का विखंडनीकरण बढ़ा है जिसके कारण ~~अब~~ कृषिगत उत्पादन में कमी आने से खाद्य सुरक्षा की समस्या उत्पन्न हुई है। इससे भुखमरी के साथ-साथ रोजगार के अवसरों में भी कमी आती है

इससे लोग औद्योगिक क्षेत्रों, नगरों की ओर प्रवास करते हैं। अधिक प्रवास आपदा को आमंत्रित करता है। जैसे छोटानागपुर क्षेत्र में ~~[redacted]~~ श्रम के कारण प्रतिस्पर्धा अधिक है। अतः लोग बिना सुरक्षा उपकरणों के कोयला की खानों में कार्य करते हैं। इससे आग की घटना होती है

इसी तरह पर्वतीय क्षेत्र जैसे उत्तर-पूर्वी भारत में भूमि कृषि के कारण प्रायः भूस्खलन की समस्या होती है वहीं पर्यटन उत्तराखंड व हिमाचल प्रदेश में पर्यटन के बढ़ने के कारण होती है

संसाधनों जैसे भूमि का ~~[redacted]~~ व समतामूलक आवंटन न होने आदि के कारण लोग रोजगार की प्राप्ति हेतु प्रवास करते हैं इसके साथ ही आय का कम स्तर न होने के कारण स्वास्थ्यगत, स्वच्छता जैसी बेसिक सुविधाएँ भी प्राप्त नहीं कर

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

पया इस स्थान में प्रश्न
ख्या के अतिरिक्त कुछ
लिखें।
lease do not write
ything except the
estion number in
s space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

पाते हैं। इसलिये मलेरिया, हैजा जैसी महामारियाँ आपदा के रूप में सामने आती हैं।

यदि जनसंख्या नियोजन के उपायों का उचित क्रियान्वयन, उचित जागरूकता के साथ किया जाए तो कम से कम मानवजनित आपदाओं को कम किया जा सकता है एवं प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को नियंत्रित किया जा सकता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3. हाल के वर्षों में प्राकृतिक एवं मानवजनित गतिविधियों के कारण सामाजिक व आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों पर गम्भीर प्रभाव के साथ आपदाओं की बारंबारता एवं उनसे होने वाली क्षति में वृद्धि हुई है। विवेचना कीजिये। साथ ही, आपदा प्रबंधन हेतु सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डालिये। (200 शब्द) 12.5

In recent years owing to natural and human activities, the frequency of disasters and the associated damages have risen with serious impact on the socio-economically weaker sections. Discuss. Also highlight the steps taken by the government towards disaster management. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।

(Please don't wri anything in this

भारत के सभी क्षेत्र किसी न किसी प्रकार की आपदा से प्रभावित क्षेत्र हैं जैसे- तटीय क्षेत्रों में चक्रवातीय बाढ़ तो राजस्थान - गुजरात में सूखा की समस्या।

मानवजनित परिवर्तन, वृक्षों का अवनयन, अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि, समाज में बढ़ती सामाजिक असमानता के कारण बाढ़, सूखा, भूस्खलन जैसी आपदाएँ तो आती ही परंतु उपर्युक्त कारकों के कारण इनकी तीव्रता या नकारात्मक परिणाम और बढ़ जाते हैं।

इन आपदाओं से सर्वाधिक प्रभावित दलित, महिलाएँ, अनुसूचित जाति व जनजाति हुए हैं।

बाढ़, सूखा आदि की बारंबारता के कारण कृषि से आपदाओं से होने वाले नुकसान का 83% हिस्से का भागी बनना पड़ता है। इससे कृषकों की आय के स्तर, बीज व पौधा सुरक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है साथ ही कृषि की

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

रया इस स्थान में प्रश्न
या के अतिरिक्त कुछ
लिखें।
ease do not write
thing except the
estion number in
space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

सहायक गतिविधियाँ जैसे पशुपालन, मत्स्यन भी प्रभावित होते है।

ग्रामीण महिलाएँ (87%) अधिकांशतः स्वनियोजित न होकर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि व उसकी सहायक गतिविधियों पर निर्भर होती है। आपदा के कारण उनकी भेद्यता और बढ़ जाती है उन पर आर्थिक के साथ-साथ पारिवारिक जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है यहाँ तक कि आपदा के समय जागरूकता के अभाव में वे पुरुषों पर अधिक निर्भर हो जाती है। यदि प्रवास करना पड़े तो सामाजिक समायोजन करने में समस्या आती है।

वृद्ध व बच्चे भी सामाजिक व आर्थिक रूप से अपने परिवारों पर निर्भर होते है।

वनाग्नि, बाढ़ के कारण जनजातियों को अपनी विशिष्ट जीवनप्रणाली से दूर जाना पड़ता है। अलग वातावरण में रोजगार, भाषायी अड़चन, सामाजिक-धार्मिक परंपराओं के कारण समस्या होती है।

सरकार ने इस दिशा में अनेक प्रयास किये हैं—

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ सेंडाई फ्रेमवर्क (2015-2030) को स्वीकृत कर आपदा के कारण मृत्यु होने वालों की संख्या में कमी करना आदि।

→ राष्ट्रीय आपदा अधिनियम 2005 का निर्माण।

- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना का वैज्ञानिक रूप से क्रियान्वयन।
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से दलितों को प्राकृतिक आपदाओं से निश्चिंत करना। वहीं प्रधानमंत्री फसल सिंचाई योजना के कारण दलितों की वर्षा पर निर्भरता घटाना।

→ वनाधिकार अधिनियम 2006 तथा जनजातीय उपयोजना के कारण जनजातीय क्षेत्रों का प्रबंधन आदि।

इन प्रयासों के उचित क्रियान्वयन के साथ-साथ नागरिकता बढ़ाना जरूरी है दलितों की वृद्धि पर निर्भरता कम करना, महिलाओं को नागरिक व शिक्षित बनाकर आपदा के प्रभाव को कम कर सकते हैं

कृपया इस स्थान
कुछ न लिखें।
(Please don't writ
anything in this s

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. तेल रिसाव मानवजनित आपदाओं के रूप में बड़ी चुनौती खड़ी करता है और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को संकट में डाल दिया है। इससे निपटने हेतु भारत सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डालिये और कुछ कारगर उपाय सुझाइए। (200 शब्द) 12.5

Oil spills pose a major challenge as man-made disaster and threaten the marine ecosystem. Highlight the efforts of the Government of India to deal with it and suggest some effective measures. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

चेन्नई तट पर तेल रिसाव दो तेल परिवहन महाजों के टकराने से हुआ और यह महीनों तक तटीय क्षेत्रों को प्रभावित करता रहा।

तेल रिसाव मानव के समक्ष प्रमुख चुनौती है यह तटीय समुदायों को प्रभावित करके उनकी आजीविका को खतरे में डालकर प्रमुख चुनौती बनता है जैसे मछुआरे समुदायों द्वारा पकड़ी जाने वाली मछलियों को न खरीदने से खाद्य व पोषण सुरक्षा के साथ-साथ आय भी प्रभावित होता है।

संबंधित क्षेत्र के खाद्य उत्पादों का प्रयोग करने से स्वास्थ्यजनित समस्या उत्पन्न होती है वहीं पर्यटन जैसी गतिविधियाँ ठप हो जाती हैं।

सागरीय पारितंत्र में यह वर्षों तक नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है तेल, जल से हल्का होने के कारण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

परत के रूप मे जलपर बना रहता है इससे प्रकाशसंश्लेषण की क्रिया बाधित होने से लाक्षणिक खाद्य श्रृंखला प्रभावित होने के साथ ही लाक्षणिक जीवों मे प्रदूषकों का जैव आवर्धन होता जाता है।

इसके साथ ही तटीय पारितंत्र जैसे Beach, मैंग्रोव वन आदि की वृद्धि भी रुक जाती है।

तेल रिसाव चुनौती इस रूप में भी है कि जल की प्रवाहमान अवस्था के कारण यह एक क्षेत्र तक सीमित न रहकर अधिमाधिक क्षेत्रों को प्रभावित करता है। वायु इसकी सहयोगी के रूप मे भूमिका निभाकर इसकी तीव्रता को बढ़ा देती है। साथ ही अत्यंत पतली परत होने के कारण विद्यमान तकनीक इसे पूर्णतः हटाने में सफल नहीं हो पाती है।

भारत सरकार द्वारा प्रयास —

→ तेल जहाजों मे GPS, NAVIC जैसे युक्त करना & उचित ट्रेनिंग व नेविगेशन।

→ बायोटेमिडियेशन हेतु ऑयलिवोरस का प्रयोग।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ मछुआरा समुदाय हेतु दिशानिर्देश कि संबंधित क्षेत्रों में मत्स्यन न करें।

→ संयुक्त राष्ट्र की तेल रिसाव रोधी अभिसमयों का पुष्टि।

→ राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना व आपदा निवारण अधिनियम में इसे शामिल करना।

अन्य उपाय →

सर्वप्रथम प्रभावित क्षेत्र के लोगों में तेल रिसाव के प्रति जागरूकता फैलाना तथा तेलरिसाव से प्रभावित क्षेत्रों के खाद्य उत्पादों के उपभोग की सलाह न देना।

राष्ट्रीय आपदा अनुक्रिया बल की तीव्रता बढ़ाना जैसाकि चेन्नई में तेल रिसाव के समय नहीं देखा गया तथा इसे तकनीकी रूप से उन्नत बनाकर तटीय राज्यों की सुरक्षा एजेंसियों से समन्वय स्थापित करना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

5. सरकार द्वारा लागू की गई प्रथम राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना वैज्ञानिक तरीके से भारत को आपदा प्रतिरोधक बनाने का प्रावधान करती है। स्पष्टीकरण कीजिये। (200 शब्द) 12.5
The first National Disaster Management Plan proposes to make India disaster resistant, scientifically. Elucidate. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this s

भारत की प्रथम राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना 2016 में लागू की गयी थी। यह राष्ट्रीय आपदा निवारण Act 2005, सेंडाई फ्रेमवर्क के साथ-साथ सतत विकास लक्ष्य-2 के अनुरूप है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना आपदा के तीनों चरणों (आपदा पूर्व, आपदा के समय व आपदा के उपरांत) को शामिल करती है

यह योजना तकनीकी परिवर्तनों को शामिल करती है। जैसे ~~प्रयोगशिल~~ इन्फोर्मेशन सिस्टम व दूर संवेदन के माध्यम से आपदा का पूर्वानुमान व आपदा का प्रबंधन करना।

यह राष्ट्रीय आपदा अनुक्रिया दल को तकनीकी रूप से उन्नयन जैसे-आधुनिक मोबाइल संचार तकनीक आदि प्रदान करने का प्रावधान करती है.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यह योजना सेंडाई फ्रेमवर्क व उदयपुर घोषणा के अनुरूप अपने लक्ष्यों का समायोजन करने का प्रयास करती है जैसे - न्यूनतम अवसंरचनात्मक व जनहानि हो; सुभेद्य वर्गों की रक्षा करना।

इसके अंतर्गत आपदा पूर्व चरण में जागरूकता के तत्व का समायोजन किया गया है जैसे - हेल्पलाइन नंबर, रेड अलर्ट जारी करना, नदीय तटबंधों के दर बनाना आदि।

इसमें राष्ट्रीय आपदा राहत कोष से गैर-व्यपगत बनाने का भी प्रावधान है। साथ ही 'सामाजिक-निगम उत्तरदायित्व' के माध्यम से आपदा प्रभावित क्षेत्रों में मानवनिर्मित सहायता जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, खाना, आवास की सहायता का प्रावधान है।

इसमें आपदा प्रभावित क्षेत्रों का पुनः वर्गीकरण शामिल किया गया है जैसे अत्यंत प्रभावित क्षेत्रों का वर्गीकरण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

समायोजन लक्ष्य है - 0-4 तक सेगों का नया वर्गीकरण करना।

समग्र रूप में यह योजना आपदा प्रबंधन के सभी चरणों का पुनर्वास सहित समायोजन करती है

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this s

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. विकास, आपदा जोखिम एवं जलवायु परिवर्तन के मुद्दे अंतर्संबंधित होते हैं और इनके समाधानों को भी एकीकृत होने की आवश्यकता है। विश्लेषण कीजिये। (200 शब्द) 12.5
The issues of development, disaster risk and climate change are all interconnected and thus need an integrated response. Analyse. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विकास, आपदा जोखिम व जलवायु परिवर्तन का मानव की आर्थिक व सामाजिक स्थिति में महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

विकास, आपदा जोखिम व जलवायु परिवर्तन के अंतर्संबंधों में ~~[illegible]~~ विकास को प्रारंभिक बिंदु माना जा सकता है।

विकास की महत्वाकांक्षा में मानव संसाधनों का अंधाधुंध दोहन करता है। इससे एक तरफ से सामाजिक-आर्थिक असमानता बढ़ती है तो दूसरी तरफ प्रदूषण, जैसे बढ़ायें।

~~जैसे~~ - पश्चिमी घाट के क्षेत्र में विकासात्मक गतिविधियों के कारण वहाँ वृक्षों के अवनयन से जैवविविधता में कमी आयी। मुंबई व बेंगलौर से वृहद् औद्योगिक स्तर ~~[illegible]~~ स्थापित होने से प्रदूषण बढ़ा जिससे स्थानीय स्तर बढ़ा एवं स्थानीय तापांतर व वायुमंडलीय तापांतर में परिवर्तन होने से समुद्र तल में वृद्धि होती

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

ऐसे अन्य उदाहरण पूर्वी चीन, दक्षिण कोरिया, पश्चिमी यूरोप है

इससे तटीय क्षेत्रों में बाढ़ की पुनरावृत्ति बढ़ी है।

वहीं हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड जैसे संवेदनशील पर्वतीय क्षेत्रों में बांधों के निर्माण, पर्यटनगत अवसंरचना के कारण भूस्खलन व हिमस्खलन के साथ-साथ भूकंप की संभावनाएँ बढ़ी है।

जलवायु परिवर्तन एक तरफ जहाँ आपदाओं की बारंबारता को बढ़ाता है तो तापमान में वृद्धि, कम वर्षा आदि के कारण मानव स्वास्थ्य की लागत में वृद्धि, कृषि उत्पादन में कमी जैसे विनाश के दुष्चक्र को जन्म देता है।

अब ये मुद्दे अंतर्संबंधित हैं तो निम्नलिखित रूप में इनके समाधान भी एकीकृत होने चाहिए—

जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु विकल्प एवं समाधान की भूमिका निभाएगा नैनो ग्रीन ग्रोथ एवं. होतु - नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन, स्मार्ट लाइटेट एग्रीकल्चर,

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

औद्योगिक प्रदूषण में कमी, जैविक व जीरो बजट खेती करना आदि।

साथ ही पारिस्थितिक रूप से भंगुर क्षेत्रों में नियंत्रित आर्थिक गतिविधियों का इको फ्रेंडली रूप में संचालन करना।
जैसे भारी बाँधों के जगह रन ऑफ रिवर प्रोजेक्ट, सीमित पर्यटन का संचालन करना।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

7. रासायनिक दुर्घटनाएँ केवल मनुष्यों को ही नहीं बल्कि प्रकृति एवं संपत्ति को भी प्रभावित करती हैं और इसका प्रभाव पीढ़ियों के लिये सुस्पष्ट है। 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के संदर्भ में कथन का विश्लेषण कीजिये और इसे रोकने हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा किये जा रहे प्रयासों का उल्लेख कीजिये। (200 शब्द) 12.5

Chemical accidents not only affect humans but also nature and property and the impacts are perceptible for generations. Analyse the statement in context of the 1984 Bhopal Gas Tragedy. Also highlight the efforts being made by the United Nations to prevent them. (200 words) 12.5

रासायनिक दुर्घटनाओं से तात्पर्य है रसायनों का हानिकारक रिसाव। इसका मानव का आनुवांशिक उत्परिवर्तन व स्वास्थ्यगत प्रभाव पड़ता है। साथ ही वनस्पति, मृदा की उर्वरता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है

इनके प्रभाव पीढ़ीगत होते हैं क्योंकि इनका जैव आधार होता है

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
Please do not write anything except the question number in this space)

8. पर्यावरण प्रभाव आकलन से आप क्या समझते हैं? इसके लाभों का उल्लेख करें तथा इसकी सीमाओं का निर्धारण करने के साथ ही, इसको प्रभावी बनाने हेतु कुछ उपाय भी सुझाइए। (200 शब्द) 12.5
What do you understand by environmental impact assessment? Describing its advantages and determine its limitations as well as suggest some measures to make it effective. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पर्यावरण प्रभाव आकलन से तात्पर्य है किसी परियोजना की शुरुआत करने से पहले उसका बहुआयामी लागत-लाभ विश्लेषण करना। यह एक सतत गामी प्रक्रिया है जो परियोजना के शुरुआत से लेकर समापन के उपरांत भी जारी रहती है।

पर्यावरण प्रभाव आकलन का प्रमुख लाभ यह है कि यह किसी परियोजना की भावी सफलता की संभावनाओं को वास्तविक धरातल पर लागू होने से पूर्व विश्लेषित करने का प्रयास करती है।

यदि योजना में कोई कमी होती है तो लागू करने से पूर्व उसमें उचित संशोधन करके सामाजिक-पर्यावरण-आर्थिक रूप से लागत प्रभावी बनाया जा सकता है।

पर्यावरण प्रभाव आकलन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

योजना निर्माण के सभी प्रकार के तर्क वितर्कों का समायोजन करने का अवसर प्रदान करता है

पर्यावरण प्रभाव आकलन की प्रमुख ~~[illegible]~~ यह है कि यह अधिमांगा! आगमी रूप से संपादित की जाती है इसमें वास्तविकता का सामान्यतः अभाव होता है

इसमें स्कोपिंग नामक प्रक्रिया केवल कागजों में ही संपादित होती है इसमें व्यापक जनभागीदारी का अभाव होता है

इसमें महत्वपूर्ण समीक्षा या संशोधन एवं प्रावधानों की कमी होती है जिससे योजना की लोचशीलता में कमी आती है

इसे प्रभावी बनाने हेतु निम्नलिखित उपाय अपनाये जा सकते है-

→ पर्यावरण प्रभाव आकलन नियम 2006 का क्रियान्वयन वास्तविक धरातल पर हो।

→ स्कोपिंग ~~[illegible]~~ थर्ड पार्टी से होना चाहिए ताकि निष्पक्षता रहे।

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't wr anything in this

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ योजना निर्माण में जनभागीदारी हो ताकि योजना की सफलता की संभावना बढ़े एवं स्वीकार्यता बढ़े।

→ मध्यम कालिक समीक्षा, तकनीकी परिवर्तन का समायोजन करने का भी विकल्प हो। यदि आर्थिक लाभ से अधिक सामाजिक लागत हो तो अनुमति नहीं मिले।

~~अ~~ उपर्युक्त उपायों का उपयोग करके पर्यावरण प्रभाव आकलन को समायोजनशील व गतिशील बनाया जा सकता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

10. जैव-प्रौद्योगिकी से आप क्या समझते हैं? कृषि क्षेत्र में इसके अनुप्रयोगों की विस्तार में चर्चा करें। (200 शब्द) 12.5

What do you mean by Biotechnology? Discuss its applications in agriculture sector. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अभियांत्रिकी तकनीकों का जैविक क्षेत्र में प्रयोग बढ़ा है जैव प्रौद्योगिकी से तात्पर्य है मानवीय समस्याओं विशेषकर जैविक समस्या जैसे रोग आदि का समाधान तकनीकी का प्रयोग करके करना। जैसे- स्टेम सेल, DNA प्रोफाइलिंग, आदि।

इसे रेड बायोटेक्नोलॉजी (स्टेम सेल), ग्रीन बायोटेक्नोलॉजी (कृषि व संबंधित क्षेत्र) व बायोटेक्नोलॉजी (रसायन संबंधी) में विभक्त किया जाता है

जैव प्रौद्योगिकी का प्रयोग स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, ऊर्जा आदि में किया जा रहा है

जैव प्रौद्योगिकी के प्रमुख उपयोगी क्षेत्र कृषि है—

→ कृषिगत उत्पादन में वृद्धि करने हेतु नयी-नयी किस्मों (GM-crops) का विकास करना।

→ नए-नए जैविक खादों का संश्लेषित करना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ फसलों को कीटरोधी व खरपतवाररोधी बनाना। जैसे - Bt cotton.

→ फसलों को जैव पोषण युक्त बनाना व मानव की खाद्य व पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना। जैसे गोल्डन राइस विटामिन, खनिज तत्वों से युक्त हैं

→ वर्तमान में कृषि जलवायु परिवर्तन के कारण सूखा, बाढ़ जैसी समस्याओं से ग्रस्त होता जा रही है अतः क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर हेतु जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है। जैसे अधिक तापमान व कम वर्षा में उगने वाली फसलें।

→ बढ़ती जनसंख्या व कम होती कृषि योग्य भूमि के कारण खाद्य व पोषण सुरक्षा हेतु प्रति हेक्टेयर अधिक उपज देने वाली फसलों का विकास हेतु जैव प्रौद्योगिकी उपयोगी है।

→ कृषक की आय में लगातार के साथ वृद्धि हेतु यह उपयोगी है।

कृपया इस स्थान
कुछ न लिखें।
(Please don't wri
anything in this s

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
Please do not write anything except the question number in this space)

GM crop का समतामूलक व उचित धरातल पर वितरण के साथ-साथ जैविक खेती को बढ़ावा एवं जैव प्रौद्योगिकी का दृष्टि में लाभ उठाया जा सकता है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

12. आर्टिफीसियल इंटेलीजेंस क्या है? यह किस प्रकार से हमारी जीवन शैली को प्रभावित कर रही है? इससे होने वाले संभावित खतरों का उल्लेख कीजिये। (200 शब्द) 12.5
What is Artificial Intelligence? How does it affect our lifestyle? Discuss the potential threats associated with it. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मशीनों में निर्णयन क्षमता का समायोजन करने पर इनके द्वारा किये जाने कार्य की सुचालनीयता में वृद्धि होती है यह कृत्रिम बुद्धिमता कहलाती है।

इसमें मशीनें आवाज, वीडियो आदि को पहचानने की क्षमता के साथ साथ उचित अनुक्रिया देने की क्षमता से युक्त होती है।

कृत्रिम बुद्धिमता हमारे जीवन के सामाजिक व आर्थिक क्षेत्र को मुख्य रूप से प्रभावित करती है।

कृत्रिम बुद्धिमता के कारण कार्यों के निष्पादन में गुणात्मक व मात्रात्मक वृद्धि होती है विशेषकर औद्योगिक उत्पादन में जैसे असेंबली लाइन पर कार्य करना। साथ ही कृत्रिम बुद्धिमता का प्रयोग ~~मार्~~ विभिन्न बैंकों में जानकारी प्रदाता के रूप में किया जाने लगा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से रोजगार के नए क्षेत्र खुलेंगे एवं उच्च मॉडल की

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this spac

माँग बढ़ेगी।

यह संवर्धित जीवन स्तर का भी परिचायक बनेगी तथा। साथ ही यह मानव श्रम का अधिक उत्पादक क्षेत्रों में हस्तांतरण करने में सहायक होगी इससे अनुसंधान व विकास की क्रिया को बढ़ावा मिलेगा।

सीमित पूर्ण अर्थ जैसे- अंतरिक्षीय मिशन, आपदा प्रभावित क्षेत्रों में यह आंशिक रूप से मानव को प्रतिस्थापित करने की क्षमता रखती है।

परंतु यह खतरे के रूप में भी प्रकट होती है। विशेषकर रोजगार के अवसरों की संख्या में तीव्रता से ह्रास। यह कम कुशल श्रमिकों को प्रतिस्थापित करती है व समाज में बेरोजगारी बढ़ती है इससे सामाजिक तनाव की स्थिति उत्पन्न होती है

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न बेरोजगारी के कारण गरीबों - अमीरों में असमानता का स्तर बढ़ता है एवं आर्थिक रूप से संपन्न लोग ही इसका रोजगार कर पाते हैं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इसके ~~[illegible]~~ आतंकवादियों, नक्सलवादियों द्वारा सुरक्षा बलों पर आक्रमण, जैसी घटनाएँ निष्पादित करने दुरुपयोग किया जा सकता है।

प्रत्येक तकनीक की भाँति ~~[illegible]~~ कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग सामाजिक व आर्थिक रूप से लाभ वाले क्षेत्रों में सीमित रूप से करना चाहिए। इसे मानव के सहयोगी के रूप में प्रयोग करें, न कि प्रतिस्थापक के रूप में।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

14. स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम नाविक के महत्त्व को स्पष्ट करते हुए बताएँ कि यह अमेरिका के जीपीएस पर भारत की निर्भरता को किस प्रकार कम करेगा? नाविक से भारत को होने वाले लाभों की संक्षिप्त में चर्चा कीजिये। (200 शब्द) 12.5

Explaining the significance of indigenous navigation system, (NavIC). How it will reduce India's dependence on GPS of America? Briefly discuss the advantages of NavIC for India. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सात उपग्रही प्रणाली पर आधारित यह भारत की स्वदेशी नेविगेशन प्रणाली है।

वर्तमान में भारत नेविगेशन या सामरिक उपयोग हेतु अमेरिका की GPS प्रणाली पर निर्भर है नाविक का विकास GPS के प्रतिस्थापन के रूप में है विशेषकर भारत व समीपवर्ती 1500 km के क्षेत्र में है।

नाविक दो प्रकार की सेवा प्रदान करता है — सामान्य सेवा जैसे नेविगेशन जिसका उपयोग परिवहन आदि में किया जाता है। दूसरी सेवा प्रतिबंधित सेवा प्रणाली है जिसका सामरिक महत्व है।

यह प्रणाली भारत के लिए लाभकारी होगी जैसे —

→ आपदाओं के पूर्वानुमान → फसलों के क्षेत्रफल के अनुमान लगाने एवं आपदा प्रबंधन के तीनों चरणों में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

सहायक होगी।

→ नाभिक के गगन के साथ मोडकर वायु परिवहन सेवाओं में गुणात्मक वृद्धि करना विशेषकर शीत मरुस्थल में।

→ सामरिक रूप से उपयोगी हो जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी। यह भारत के अलावा 1500 km के क्षेत्र को कवर करता है इससे तस्करी, आतंकवाद व अलगाववाद के बारे में पता लगाया जा सकेगा।

ध्यातव्य है कि कारगिल युद्ध के समय अमेरिका ने GPS सेवा प्रदान करने से मना कर दिया था।

→ यह भारत की सॉफ्ट पावर बढ़ाने में सहायक होगा क्योंकि भारत के नाविक की नागरिक सेवाओं को पड़ोसी देशों हेतु मुफ्त में प्रयोग करने की अनुमति दी है।

→ हिंद महासागर में चीन की बढ़ती उपस्थिति पर निगरानी रखना।

→ भारतीय सेनाओं के पास स्वदेशी GPS आधारित सुरक्षा प्रणाली को बढ़ावा।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नाविक के संचालन में आ रही तकनीकी बाधाओं का समाधान (CRV- clock) का समाधान हाल में नए उपग्रह का प्रक्षेपण करके कर लिया गया है। उम्मीद है यह शीघ्र भारत को नागरिक व सामरिक सेवा प्रदान करेगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

16. "पूर्वोत्तर भारत अक्सर आंतरिक तनावों के कारण चर्चा में रहता है। कुछ तो यह नृजातीय विविधता के कारण है और कुछ स्वयं की भारत से अलगाव की भावना के कारण है।" कथन का आशय स्पष्ट करते हुए इस स्थिति में सुधार के लिये अपेक्षित समाधनों का उल्लेख कीजिये। (200 शब्द) 12.5

"The Northeast India remains in news due to its internal conflicts. These are caused partly by the ethnic diversity and partly by the separatist tendency." Elucidate the statement and suggest measures to ameliorate the situation. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पूर्वोत्तर भारत में लेवन सिस्टर्स व सिक्किम को शामिल किया जाता है। स्वतंत्रता के उपरांत ही यहाँ अलगाववादी गतिविधियाँ हावी है।

पूर्वोत्तर में तनाव के अनेक कारण हैं जैसे- भारत के मुख्य भू-भाग से कनेक्टिविटी की जटिलता, चीन से आक्रामक रुख से ~~सिविद्ध~~ सीमाबद्ध, नृजातीय विविधता, विघटनात्मक रुख से पिछड़ापन व भौगोलिक उच्चावचीय दशाएँ।

पूर्वोत्तर भारत नृजातीय रूप से धनी है यहाँ नागा, मेइती, मिरि, लेपचा, थुरिया, खासी जैसी जनजातियाँ है इन जनजातियों की अपनी विशिष्ट परंपरा है एवं ये अपने क्षेत्र, परंपरा व सामाजिक-आर्थिक जीवन में हस्तक्षेप का विरोध करती है।

साथ ही ये प्रजातीयाँ भाषायी व क्षेत्रीय रूप से चीन व म्यामार

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

के समझती हो इसलिए कुछ अलगाववादी समूह इस आधार पर यहाँ अलगाववादी भावनाओं को सह देते हैं।

मैंने हाल में मणिपुर में कुकी - नागा - मैइती जनजातीय समूहों में टकराव देखा गया।

नागा जनजाति नागालिम (तेंपुज नागालैण्ड) की मांग करती है तो असम में भी अनेक समूह ऐसी मांगे करते हैं।

यहाँ के लोगों के सामाजिक जीवन की विविधता, पड़ोसी देशों से शारीरिक संरचनागत निकटता, विभाजनकारी रूप से पिछड़ापन व नयी दिल्ली द्वारा सतत रूप से अवहेलना के कारण उत्तर-पूर्वी भाग के लोग पर्याप्त रूप से अलगाववादी समूहों का विरोध नहीं कर पाते हैं।

समाधान के उपाय -

→ सशस्त्र सैन्य बल अधिनियम 1958 का मानवीयकरण करना तथा इसे और अधिक सख्त रूप से लागू।

→ PESA Act 1996 व वनाधिकार

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अधिनियम के तहत उत्तर-पूर्वी भारत में प्रभावी क्रियान्वयन व विस्तार करना।

→ नॉर्थ-ईस्ट इंडिया इनवेस्टमेंट फंड, त्रिपक्षीय राजमार्ग जैसी परियोजनाओं के माध्यम से विकास व निवेश बढ़ाना।

→ कोलकाता - सित्तवे मॉडल प्रोजेक्ट तथा कोलकाता - दाऊ - अगरतला रेलमार्ग को लक्ष्य पर पूरा करना।

→ भारत की एक्ट ईस्ट नीति का में उत्तर-पूर्वी भारत को रोकना।

→ शेष भारत में उत्तर-पूर्वी भारत के लोगों का सामाजिक मेल मिलाप बढ़ाने बाकि पंगानुक में हुए सॉफ्ट मूवमेंट को रोकना।

→ आर्थिक गतिविधि जैसे - जलविद्युत उत्पादन, बागानी कृषि, पर्यटन को बढ़ावा देना।

पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय की दिशा में उचित रूप से प्रगतिशील

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

18. "बेरोजगारी एवं असमान विकास से उपजे सामाजिक-आर्थिक असंतुलन से अलगाववाद को बढ़ावा मिला है और यह उग्रवाद के रूप में सामने आया है।" विश्लेषण कीजिये। बहिस्कृत समूह को विकास की मुख्यधारा में जोड़ने के लिये कुछ उपायों की चर्चा कीजिये। (200 शब्द) 12.5

"The socio-economic imbalance, created by unemployment and asymmetrical development, has promoted separatist tendency which in turn has emerged as an insurgency". Analyse. Suggest measures to bring the estranged groups in the mainstream of development. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अलगाववाद से तात्पर्य है वैधानिक व संप्रभु सरकार के विरोध करते हुए अधिक स्वायत्ता या संप्रभु राष्ट्र की मांग करना।

अलगाववाद की धारणा मुख्यतः विधायात्मक पिछड़ापन, नृजातीय विविधता, गैर-राज्य अभिकर्त्ताओं के साथ-साथ विदेशी संस्थाओं की नकारात्मक भूमिका से प्रेरित होती है

बेरोजगारी व असमान विकास के कारण लाभार्थी समुचित संसाधनों की प्राप्ति से वंचित रह जाते है एवं अपने जीवन को उन्नत नहीं कर पाते है शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास जैसी आधारभूत सुविधाओं हेतु वे अवैध गतिविधियों में संलिप्त हो जाते है-

जैसे उत्तर-पूर्वी भारत में अपार आर्थिक संभावनाओं के कारण लोग अलगाववादी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

समूहों में शामिल हो जाते हैं एवं अपने अल्पकालिक हितों (रोजगार आदि) हेतु विरोधी विचारों का समर्थन करने लगते हैं।

यही प्रवृत्ति कश्मीर में भी होती पर्यटन एवं परंपरागत गतिविधि, जलवायु आदि के प्रभावित होने से उत्पन्न दुखी हो इससे युवाओं में उग्रवादिता की भावना बढ़ी है। स्टोन पेल्टर्स प्रमुख उदाहरण है।

इन समूहों को मुख्य धारा से जोड़ने के उपाय —

→ सरकारी कार्यक्रमों का उचित क्रियान्वयन किया जाए। जैसे- पूर्वोत्तर भारत में पहाड़ी विकास कार्यक्रम; कश्मीर में नयी मंजिल व उस्ताद तथा रेड कॉरिडोर (नक्सलवादी क्षेत्र) में स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम आदि।

→ चूँकि इन सभी क्षेत्रों में अफस्पा लागू है अतः यह नागरिक स्वतंत्रता को सीमित करता है इसलिए इसमें मानवीयता करते हुए क्रमिक रूप से हटाना जैसा कि त्रिपुरा में हटाया गया है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ लोकतांत्रिक संस्थाओं में नियमित भागीदारी तथा उनका नियमित चुनाव हो।

→ जिन क्षेत्रों में निम्न आर्थिक क्षेत्र में विशिष्टता हो, उसी पर मुख्यतः ध्यान देना। जैसाकि उत्तरपूर्वी भारत व कश्मीर में पर्यटन व बागवानी की संभावना है तो नवसलवादी क्षेत्र में जनित आधारित औद्योगिक विकास की।

→ सभी हितधारकों को समुचित संवाद प्रक्रिया अपनाकर व विश्वासात्मक भागीदारी द्वारा अलगाववाद व उग्रवाद की प्रक्रिया को नियंत्रित किया जा सकता है साथ ही इस हेतु विदेशी-समर्थन (वित्तीय - हथियार) को रोकना भी जरूरी है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

19. संगठित अपराध से आप क्या समझते हैं? संगठित अपराध एवं आतंकवाद एक-दूसरे से कैसे अंतर्संबंधित हैं? स्पष्ट करें। भारत की आंतरिक सुरक्षा को इससे संभावित खतरों का उल्लेख करें। (200 शब्द) 12.5

What do you understand by organized crime? How organized crime and terrorism are interrelated? Explain. Discuss its potential as a threat to internal security of India. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ये अपराध जो निश्चित अवधि संगठित, वित्तीय स्रोतों के तंत्रों से संचालित होते हैं जिनमें कार्य करि व एक निश्चित पदानुक्रम होता है। उसे संगठित अपराध कहते हैं। जैसे - नक्सलवाद, ~~कश्मीर~~ में आतंकवाद।

संगठित अपराध व आतंकवाद कई रूपों में अंतर्संबंधित है - जैसे भारत में ~~संचा~~ कश्मीर में संचालित आतंकवाद को सीमापार से हथियार व वित्त की नियमित आपूर्ति होती है। ये तस्करी विस्फोटक हथियार व अफीम की तस्करी, मानवतस्करी से भी वित्त प्राप्त करते हैं।

इसके साथ ही सोशल मीडिया पर आतिवादियों की भर्ती प्रक्रिया व ब्रेनवाश की प्रक्रिया आतंकवाद को संगठित अपराध से संबंद्ध करता है।

इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है लोन वुल्फ अटैक, पश्चिमी एशिया में ISIS आदि।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

संगठित अपराध भारत में आतंकवाद, नक्सलवाद के अलावा तस्करी (ड्रग, मानव, हथियार) व उत्तर-पूर्वी भारत में अलगाववाद के रूप में विद्यमान है

कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों को हवाला से वित्तपोषण होता है तो नक्सलवादियों को हथियारों व मानवों की तस्करी से धन प्राप्त होता है। ये संप्रभु सरकार (संस्थानिक) का विरोध करने लोगों को लोकतांत्रिक संस्थाओं में भागीदारी को अवरुद्ध करते हैं न कि जैसे जम्मू-कश्मीर में स्थानीय निकायों के चुनावों का बहिष्कार।

संगठित अपराधों के कारण रेड कॉरिडोर में विद्यमान अवसंरचना है जो वहाँ सामाजिक तनाव में वृद्धि करता है।

संगठित अपराध के कारण भारतीय युवाओं में रेडिकलाइजेशन की प्रवृत्ति बढ़ी है जिससे व ऐसी घटनाओं की बारंबारता बढ़ी है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पंजाब में ड्रग तस्करी के कारण युवा स्वास्थ्य में पतन से सामाजिक व्यवस्था में गिरावट दर्ज की गयी है इसी तरह उत्तर-पूर्वी भारत में भी मणिपुर जैसे राज्य में ड्रग की समस्या बढ़ी है

बांग्लादेश, नेपाल से मानव तस्करी बढ़ी है गृहमंत्रालय के अनुसार 2015-16 में यह आँकड़ा 2000 था यह आंतरिक रूप से भारत के संसाधनों को सामाजिक क्षेत्र में खर्च करने के बजाय रक्षा क्षेत्र में खर्च करने को प्रेरित करता है जिससे विनाशात्मक गतिविधि अवरुद्ध होती है।

दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

20. हाल के कुछ वर्षों में साइबर हमलों की बढ़ती तादाद ने देश की साइबर सुरक्षा के समक्ष एक चुनौती खड़ी कर दी है। भारत की साइबर सुरक्षा से संबंधित नीतियाँ साइबर हमलों पर नियंत्रण पाने में कितनी सक्षम हैं? मूल्यांकन कीजिये। साथ ही, साइबर हमलों पर नियंत्रण हेतु कुछ तकनीकी उपाय सुझाइये। (200 शब्द) 12.5

In recent years the growing number of cyber attacks has emerged as a challenge for the cyber security of the country. To the what extent, policies related to the cyber security of India are capable to get control over cyber attacks. Evaluate. As well as, suggest some technical measures for control over cyber attacks. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इंटरनेट प्रणाली में अवैध अतिक्रमण या हानि के उद्देश्य से पहुँच में साइबर हमला कहते हैं।

एसोचैम के आँकड़ों के अनुसार 2014-2016 के मध्य साइबर हमलों में तीन गुना वृद्धि आयी है जिसमें वानाक्राई जैसे हमले प्रमुख हैं।

साइबर सुरक्षा निम्नलिखित रूप में चुनौती है-

→ साइबर हमलों की कोई भौतिक सीमा न होना व सरकार के क्षेत्राधिकार से बाहर होना।

→ डिजिटल क्रांति के बढ़ते स्वरूप के कारण सुभेद्य वर्गों की तादाद बढ़ रही है।

→ भारत के पास साइबर हमलों को रोकने हेतु चीन जैसी फायरवाल तकनीक का अभाव है।

→ साइबर आक्रमण कर्त्ता की पहचान सुनिश्चित न हो पाना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ भारत के पड़ोसी देशों से विशेषकर चीन व पाकिस्तान (70% हमले) से बढ़ता तनाव।

भारत के पास साइबर सुरक्षा हेतु राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति 2013 है। महत्वपूर्ण सूचनाओं हेतु नेशनल क्रिटिकल इनफोर्मेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेन्टर है तो तीव्र अनुक्रिया हेतु इण्डियन कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पोंस टीम है।

वित्तीय क्षेत्र में FIU-IND है। राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल साइबर कोऑर्डिनेट व राज्य स्तर पर निरीक्षकों की नियुक्ति का प्रावधान है

परंतु जहाँ CERT-IN उचित कार्यबल की समस्या का सामना कर रहा है तो राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर साइबर निरीक्षकों की समय पर नियुक्ति नहीं की जाती। साइबर सुरक्षा के लिए कोई तकनीकी नहीं है।

साइबर हमलों पर नियंत्रण हेतु ~~[illegible]~~ उपाय निम्नलिखित है-

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ समय-समय पर हैकॉथॉन का आयोजन कराना एवं साइबर सुरक्षा हेतु शोध व विकास बढ़ाना।

→ महत्वपूर्ण सूचना व सामान्य सूचनाओं हेतु एयर गैपिंग (इंटरनेट से दूर रखना) की अवधारणा अपनाना।

→ साइबर बीमा इकाई अपनाना।

→ विशेषीकृत रूप से प्रशिक्षित साइबर पुलिस का निर्माण।

→ साइबर मैनेजमेंट प्लान बनाना।

भारत को अपनी वित्तीय व रक्षा प्रणाली आदि के साथ-साथ थोड़ा आक्रामक रवैया (deterrence) भी अपनाना चाहिए। एवं बुडापेस्ट कन्वेंशन (साइबर सुरक्षा) की पुष्टि करनी चाहिए।

Feedback

Questions .....

Model Answer & Answer Structure .....

Evaluation .....

Staff .....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

समग्र मूल्यांकन

(Overall Evaluation)

Copyright – Drishti The Vision Foundation